

19.5.18
वकील उभयपक्ष हजरि / एस. डी. ओ. साहब
दोरे पर / दीगर कार्य / पत्रावली पर ही पत्रावली
वास्ते 19.5.18 दिनांक 31.7.18 को पेश हो।



29.5.18

पत्रावली वापस लौट आरामत

ज्याप आपके लटर केस्य सामाकेग
मे लखत हरे। पत्रावली उभयपक्ष
हजिरा बहल जुमी गर। पत्रावली
का अर्पण किया। अतः अर्पण
का अर्पण किया। मानला एउ
मरत है कि मौरा लखि जाय।
पत्रावली सामाकेग की अर्पण 245
506, 511, 637 कुल मित 4 इल
करवा 1.84 है। मे जोनी लखी की
जातेहरी अर्पण मे पितर मे
अर्पण का अर्पण प्रवेब करते है
अतः प्रवेब हजिरा मानला पत्रावली
के पत्र मे बजता है। अतः यह निर्णय
लिया जात है कि प्रल पाह के चित्ताना
तु अर्पण का अर्पण मे अर्पण
नगरे हरे। पत्रावली के अर्पण
दोरा अर्पण के अर्पण है। अतः
अर्पण का अर्पण

(अर्पण का अर्पण)
अर्पण का अर्पण एवं
अर्पण का अर्पण का अर्पण
अर्पण का अर्पण का अर्पण

